अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अं क – 176 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 26 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

न्यायालय में प्रभावी कार्यवाही करने के लिए आयोजित की गई कार्यशाला

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा विभिन्न न्यायालयों में प्राधिकरण के विरूद्ध दायर किये गये वादों मे प्रभावी कार्यवाही किये जाने के आदेषों के क्रम में आज उच्च न्यायालय के अधिवक्ता रत्नेष चन्द्रा के तत्वाधान में प्राधिकरण के कर्मियों के लिए एक कार्यषाला का आयोजन किया गया। इस कार्यषाला में रत्नेष चन्द्रा ने बताया कि मुकदमें की पैरवी में सभी तथ्यों को रखना चाहिए, ताकि न्यायालय में अधिक्ताओं द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा सके। कार्यषाला में प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वादों में कर्मियों को सभी पटलों से जानकारी एकत्र करनी चाहिए, ताकि समय से न्यायालय में प्राधिकरण का पक्ष रखा जा सके। प्राधिकरण के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने वरिश्ठ अधिवक्ता द्वारा दी गई जानकारी के प्रति उनका आभार प्रकट किया गया। साथ ही आषा की कि प्राधिकरण के कर्मियों के सहयोग से अधिवक्ताओं द्वारा विभिन्न न्यायालयों में मजबूती से प्राधिकरण का पक्ष रखा जायेगा। इस अवसर पर काफी मात्रा में प्राधिकरण के अभियंता तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

अब जाति, मजहब, क्षेत्र देखकर नहीं दिया जाता जनहित की योजनाओं का लाभ – मुख्यमंत्री

गोरखपुर (वेब वार्ता)। एकात्म मानववाद व अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर विश्वविद्यालय स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी अंत्योदय का सपना देखा था। सात वर्षों से वही सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतश्त्व में साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश मे प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के लिए लोक कल्याणकारी योजनाएं लागू हुई हैं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय का स्पष्ट मत था कि हमारी योजनाओं का आधार समाज के सम्पन्न नहीं, अंतिम पायदान का व्यक्ति होना चाहिए। आज उनका

यह सपना साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री के नेतश्त्व में हर गरीब को आवास, शौचालय, हर गरीब महिला को ऊर्जा के लिए ग्रीन एनर्जी के रूप में मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन, हर गरीब को आयुष्मान योजना से पांच लाख रुपये तक स्वास्थ्य सुरक्षा कवर जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इन योजनाओं का लाभ किसी का चेहरा, जाति, मजहब या क्षेत्र देखकर नहीं दिया जाता है। यह केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से अंत्योदय के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए उनके जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोनाकाल के दौरान भी ऐसे कार्यक्रम प्रारम्भ हुए हैं जिसने लोक कल्याणकारी सरकार के मानवीय चेहरे को दुनिया के सामने रखा है। महामारी में बीमारी से तो मौतें होती हैं लेकिन बीमारी से अधिक मौतें भूख से होती हैं। एक लोक कल्याणकारी सरकार अपनी मानवीय संवेदनाओं को जनमानस के प्रति किस प्रकार व्यक्त करती है, इसका उदाहरण पूरी दुनिया ने देखा है। 2020 में आठ माह तक हर व्यक्ति को मुफ्त राशन दिया गया। इस वर्ष मई से नवम्बर तक इसे फिर से प्रारम्भ किया गया। विगत 24 माह में 15 माह मुफ्त राशन दिया गया। उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ लोग और देश में 80 करोड़ लोग इससे लाभान्वित हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1950 के दशक में सरकार का मानवीय चेहरा क्या हो, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सरकार को झकझोरने के लिए जिन शब्दों का वर्णन किया, हो सकता है कि उस समय सरकारों ने उसे गंभीरता से न लिया हो। पर, साठ के दशक बाद पंडित उपाध्याय का यह सपना पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को भी आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा। सीएम ने कहा कि पंडित दीनदयाल की जयंती पर आज हर ब्लॉक में गरीब कल्याण मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में आरोग्य जांच होगी, दिव्यांग को उपकरण वितरण, किसानों को कृषि यंत्रों का वितरण भी किया जाएगा। हर नागरिक के जीवन में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ कैसे उपलब्ध हो सके, इस दिशा में गरीब कल्याण मेला महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

अवैध निर्माण सील किया गया

अवध की आवाज

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के निर्देशों के क्रम में आज प्रवर्तन, जोन – 1 के विहित प्राधिकारी अमित राठौर ने बताया कि थाना– चिनहट के अन्तर्गत राम किशोर वर्मा पुत्र हनुमानदीन वर्मा व अन्य द्वारा खसरा संख्या 162, परी इन्क्लेव, ग्राम भैंसोरा, निकट जे. डी.ए. लॉन, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये लगभग

5000 वर्गफिट के क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से भूतल+4 तल भवन की फिनिशिंग इत्यादि का कार्य किये जाने पर अधिशासी अभियंता अवनीन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में प्राधिकरण व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता से सील किया गया।

सरयू पुल क्षतिग्रस्त होने से प्रशासन ने आवागमन में लगाई रोक

अवध की आवाज

गोंडा। इस प्रकार से बताते चलें कि लगभग 40 वर्ष पहले सरकार ने इस पुल को बनवाया था । इस प्रकार से सरयू पुल के एकाएक क्षतिग्रस्त हो जाने से प्रशासन ने आवागमन पर रोक लगा दिया है। इस प्रकार से बताते चलें की अब गोण्डा से लखनऊ जाने वालों के लिये बड़ी मुसीबत खड़ी हो गयी है। सरयू पुल का एक हिस्सा नदी में गिर गया है। मौके पर पुलिस व पीएसी बल

तैनात कर दिया गया है। मौके पर उपजिलाधिकारी हीरालाल यादव ,प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह मौजूद हैं। इस प्रकार फिर भी पुल के टूट जाने से सरकारी कर्मचारी लोग अपनी ड्यूटी पर रहे मुस्तैद। सिंचाई विभाग के कर्मचारी व अधिकारी, पुल को सही करने में लगे हुए हैं।

ग्राम पंचायत महमूदपुर में मिशन शक्ति जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

अवध की आवाज

लखनऊ। महिलाओं और बच्चियों के साथ होने वाले अपराधों और उनके उत्पीड़न के रोकथाम के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति जाग रूकता अभियान के तहत शनिवार को राजधानी के गोसाईं गंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महमूदपुर प्रधान सर्वेश कुमार के सहयोग व उनकी उपस्थिति में थाना गोसाईं गंज के क्षेत्रीय बीट उपनिरीक्षक ललित कुमार, आरक्षी रमा पति पाण्डेय, आरक्षी मोव अकबर, महिला आरक्षी निशि सेंगर के साथ थाना क्षेत्र के महमूदपुर ग्राम पंचायत भवन परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं व बालिकाओं को मिशन

शक्ति के तहत सार्वजनिक स्थलों जैसे–चौराहे, बाजार, कॉलेज, कोचिंग संस्थान, अन्य सार्वजनिक स्थलों को असामाजिक तत्वों से मुक्त कराए जाने, महिलाओं और बालिकाओं के साथ राह चलते छेड़खानी, अभद्रता, अश्लील प्रदर्शन तथा अभद्र टिप्पणियां इत्यादि की घटनाओं को रोकने के लिए जागरूक किया गया। उन्हें यूपी–112 नंबर/वूमेन पावर लाइन 1090/यूपी कॉप एप/181 महिला हेल्प लाइन/1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन/1098 चाइल्ड हेल्प लाइनं2 102 स्वास्थ्य सेवा/108 एंबुलेंस सेवा के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रधान सर्वेश कुमार ने कई अन्य अहम जानकारियां भी दी ताकि महिलाएं व बालिकाएं सामाजिक, आर्थिक, व पारिश्रमिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बन सके।

प्राथमिक विद्यालय सिहागांव में शिक्षकों की मासिक बैठक संपन्न

अवध की आवाज

मोतीगंज गोण्डा। शिक्षा क्षेत्र झंझरी के न्याय पंचायत नौबरा कि शिक्षक संकुल की मासिक बैठक प्राथमिक विद्यालय सिहा गांव के प्रधानाध्यापक फखरुद्दीन एवं शिक्षक संकुल सदस्य सर्वेश शुक्ल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। शिक्षा क्षेत्र झंझरी के प्राथमिक विद्यालय सिहा गांव में संकुल शिक्षक की मासिक बैठक मैं सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर सभी ए आर पी

गणों एवं मौजूद शिक्षकों ने माल्यार्पण किया। उसके बाद संकुल सदस्यों द्वारा डी सी एफ (आनलाइन) भरा गया। सभी शिक्षकों ने शिक्षक डायरी प्रेरणा सूची प्रेरणा तालिका तीनों माड्यूल इत्यादि एवं मिशन प्रेरणा से संबंधित अन्य बिंदुओं पर ए आर पी हेमंत कुमार अनीश एवं राहुल देव चर्चा की गई। बैठक में सभी ए आर पी एव सभी शिक्षक संकुल सदस्य अफजल अहमद, अर्थना पांडेय, सर्वेश शुक्ला,पवन सिंह, दुर्गेश मिश्रा, वरिष्ठ संकुल सर्व देव शुक्ला एवं प्रधानाध्यापक यादुवेंद्र मिश्रा, अनीशा आरा, उपेंद्र मिश्रा, संतोष मिश्रा हरिशंकर शुक्ला रशीदा खातून, आसमा खातून, नीतू मौर्य पारुल सुप्रिया आशिया अंकिता अंजलि महेंद्र कुमार दिलीप कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने थाना समाधान दिवस में थाना कोतवाली एट में जन समस्याएं सुनी

अवध की आवाज

उरई (जालौन) जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने थाना समाधान दिवस में थाना कोतवाली एट में जन समस्याएं सुनी। जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायतों को त्वरित निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मी आपसी समन्वय से शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें उन्होंने कहा कि निस्तारण शिकायतों का रेंडम आधार पर फीडबैक भी लिया जाए। उन्होंने थानाध्यक्ष को निर्देश दिए कि महिला और बेटियों के विरुद्ध अपराधों को गंभीरता से लें इनके विरुद्ध अपराध करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी अपराधी खुले में नहीं रहना चाहिए ऐसे

अपराधियों को गुंडा एक्ट में जिला बदर की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी थाने में शिकायत दर्ज कराने आने वाले व्यक्तियों से उचित व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने में किसी प्रकार की हीला हवाली ना की जाए। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस पर राजस्व संबंधी शिकायतें को ससमय निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाए पीड़ित पक्ष को अनावश्यक अधिकारियों के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायतों का विवरण दर्ज करने के लिए अलग से रजिस्टर बनाया जाए शिकायतों का निस्तारण का दिनांक तथा शिकायतकर्ता का पता व मोबाइल नंबर भी अंकित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में फर्जी आंकड़े बाजी न की जाए। थाना एट में महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि कोविड–19 प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराया जाए महिलाओं के उत्पीड़न की हर छोटी से छोटी घटना को गंभीरता से संज्ञान में लिया जाए। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित के साथ मानवीय व्यवहार किया जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस के अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी को भी बुलाया जाए थाना समाधान दिवस के अवसर पर अपराध रजिस्टर त्यौहार रजिस्टर आदि रजिस्टर का निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि लाइसेंसधारी पर एक से अधिक लाइसेंस है तो ऐसे लाइसेंसधारी का लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही करें। इस अवसर पर तहसीलदार थानाध्यक्ष विनय दिवाकर संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत फिट इंडिया फ्रीडम रन कार्यक्रम का आयोजन

अवध की आवाज

उरई (जालौन) सदर विधायक माननीय गौरी शंकर वर्मा व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आजादी का

अमृत महोत्सव के अंतर्गत फिट इंडिया फ्रीडम रन कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर फिट इंडिया फ्रीडम रन का शुभारंभ किया। सदर विधायक श्री गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि देश की आजादी हमें बड़े बलिदानों से मिली है। उन्होंने कहा कि शहीदों के जीवन और उनके द्वारा किये गये बलिदानों को जानने का आह्वान किया कि जिस ओर जवानी चलती है। उस ओर जमाना चलता है, युवाओं द्वारा कई ऐतिहासिक बदलाव आए है, इसलिए युवा अपनी शक्ति को पहचाने और उसे देश हित में लगाए। उन्होंने कहा कि देश में कई परिवर्तन युवा क्रांति से ही हुए है। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रदेश और देश के विकास के लिए आगे आकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर स्तर पर कार्य कर रही है जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि इस प्रकार की फिट इंडिया से संबंधित रैलियां जनपद के 75 गांवों में आयोजित की जा रही हैं तथा एक जागरूकता रैली जिला स्तरीय उरई में आयोजित की की गई है। उन्होंने कहा कि इस रैली का उद्देश्य जनपद के युवाओं को फिट इंडिया के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि अपने महापुरषों आजादी में बलिदान देने वालों के बारे में आमजन को जागरूक करना है उन्होंने कहा कि युवा आपने निजी दायित्वों के साथ सामाजिक दायित्वों को भी आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि देश के वीर शहीदों के बलिदान को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि आज हम खुले में जो सांस ले रहे है वो हमारे वीर शहीदों की बलिदान की बदौलत ही है। पूरा राष्ट्र इन वीर सपूतों का सदैव ऋणी रहेंगा।इस कार्यक्रम में एनसीसी स्काउट, नेहरू युवा केंद्र के वॉलिंटियर्स के साथ साथ रामजीलाल पांडे गर्ल्स कॉलेज के विद्यार्थी भी रहे। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर पूरे जनपद में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। युवाओं को इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को उनकी फिट रहने हेतु प्रेरित किया जा रहा है तथा विभिन्न झांकियो के माध्यम से उन्हें आजादी के वीर योद्धाओं के बारे में भी अवगत कराया जा रहा है इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी रवि दत्त, अरविंद कुमार संज्ञा कार्यक्रम सहायक, प्रमोद रिछारिया अध्यक्ष नेहरू युवा परिषद, अनादि पांडे दीपक पांडे प्रबंधक रामजीलाल गर्ल्स कॉलेज, रामाकांत सोनी, संस्कृति , उपासना चतुर्वेदी , साहिल, अनुभव,प्रशांत अवस्थी आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

मात भाषाओं को बचाने की चुनौती

दुनिया भर में अंग्रेजी भाषा के पसरते पांव और मिल रहे संरक्षण ने विश्व में बोली जाने वाली उन सैकड़ों लोक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है जो सदियों से बोली जाती रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में चौंकाने वाला तथ्य यह भी है कि विलुप्त हो रही भाषाओं में भारत के 196 भाषाओं का अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया है। हाल ही में 'भाषा रिसर्च एंड पब्लिकेशन सेंटर' द्वारा किए गए 'भारतीय भाषाओं के लोकसंरक्षण' की रिपोर्ट से उजागर हुआ है कि विगत 50 वर्षों में भारत में बोली जाने वाली 850 भाषाओं में करीब 250 भाषाएं विलुप्त हो चुकी हैं और 130 से अधिक भाषाओं का अस्तित्व खतरे में है। शोध में कहा गया है कि असम की 55, मेघालय की 31, मणिपुर की 28, नगालैंड की 17, और त्रिपुरा की 10 भाषाएं मरने के कगार पर हैं। इन्हें बोलने वालों की संख्या लगातार तेजी से घट रही है। उदाहरण के तौर पर सिक्किम में माझी बोलने वालों की संख्या सिर्फ चार रह गई है। यह लोकभाषाओं के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती है। चूंकि भारत भाषायी विविधता से समश्द्ध देश है ऐसे में भाषाओं का संरक्षण जरूरी है। भाषाओं के प्रति उदासीनता का ही नतीजा है कि छोटे से राज्य अरुणाचल में ही 90 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं और इनमें से कई भाषाओं को अस्तित्व खतरे में है। इसी तरह ओडिशा में 47, असम की 55, मणिपुर की 28, नागालैंड की 17, त्रिपुरा की 10 और महाराष्ट्र एवं गुजरात में 50 से अधिक भाषाओं में से कई विलुप्ति की कगार पर हैं। भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी लोकभाषाएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। पिछले दिनों मैक्सिकों की पुरानतम भाषाओं में से एक अयापनेको के विलुप्त होने की खबर अच्छी खासी चर्चा में रही। सुन–जानकर आश्चर्य लगा कि 'अयापनेको' भाषा को जानने और बोलने वाले लोगों की संख्या विलुप्त में अब महज दो रह गई है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन शेष दो लोगों ने भी ठान लिया है कि वह आपस में इस भाषा के जरिए वार्तालाप नहीं करेंगे। मतलब साफ है कि 'अयापनेको' भाषा का अस्तित्व मिटने जा रहा है।

विश्व की हर भाषा की अपनी ऐतिहासिकता और गरिमा होती है। प्रत्येक समाज अपनी भाषा पर गर्व करता है। 'अयापनेको' भाषा की भी अपना एक विलक्षण इतिहास रहा है। इस भाषा को मैक्सिको पर स्पेनिश विजय का गवाह माना जाता है। लेकिन विडंबना है कि जिस 'अयापनेको' भाषा को युद्ध, क्रांतियां, सूखा और बाढ़ लील नहीं पाया वह अपने अस्तित्व के दौर से गुजर रही है। इन सबके बीच सुखद बात सिर्फ यह है कि इंडियाना विश्वविद्यालय के भाषायी नशविज्ञानी 'अयापनेको' भाषा का शब्दकोष बनाकर उसे विलुप्त होने से बचाने की जुगत कर रहे हैं। पर देखा जाए तो भाषाओं के विलुप्त होने की समस्या सिर्फ 'अयापनेको' तक ही सीमित नहीं है। विश्व के तमाम देशों में बोली जाने वाली अन्य स्थानीय भाषाएं भी दम तोड़ रही हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में तकरीबन 6900 भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 2500 से अधिक भाषाओं के अस्तित्व पर आज संकट है। और इन्हें 'भाषाओं की चिंताजनक स्थिति वाली भाषाओं की सूची' में रखने के लिए मजबूर होना पड़ा है। त्रासदी यह है कि विलुप्त हो रही भाषाओं को बचाने के प्रयास के बावजूद भी इन्हें बोलने और लिखने–पढने वाले लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कराए गए एक तुलनात्मक अध्ययन से खुलासा हुआ है कि 2001 में विलुप्त प्रायः भाषाओं की संख्या जो 900 के आसपास थी वह बढ़कर तीन गुने से पार जा पहुंची है।

आंकड़ों पर विश्वास किया जाए तो दुनियाभर में 199 भाषाएं ऐसी हैं जिनके बोलने–लिखने वाले लोगों की संख्या एक दर्जन से भी कम है। उक्रेन में बोली जाने वाली कैरेम भी इन्हीं भाषाओं में से एक है जिसे बोलने वालों की संख्या महज छह है। इसी तरह ओकलाहामा में विचिता भाषा बोलने वालों की संख्या दस व इंडोनेशिया में लेंगिलू बोलने वालों की संख्या सिर्फ चार रह गई है। इसी तरह विश्व में 178 भाषाएं ऐसी भी हैं जिन्हें बोलने वाले लोगों की संख्या डेढ़ सैकड़ा तक है। किंतु दुर्भाग्य है कि इस भाषायी विविधता को बचाने का कोई ठोस पहल नहीं हो रहा है। भारत के अलावा अमेरिका और इंडोनेशिया का भी यही हाल है। इन आंकड़ों से साफ है कि विलुप्त हो रही भाषाओं को बचाने की दिशा में जितना सार्थक प्रयास किया जा रहा है वह पर्याप्त नहीं है। अगर सार्थक कदम नहीं उठाया गया तो इन भाषाओं को मिटते देर नहीं लगेगी। मौंजू सवाल यह है कि भाषाएं विलुप्त क्यों हो रही है? उन्हें बचाने का प्रयास नाकाफी क्यों सिद्ध हो रहा है?

उम्मीद है यह पहला कदम होगा आखरी नहीं –डश्व नीलम महेंद्र

2021 में भारत को स्वराज प्राप्त हुए 74 वर्ष पूर्ण हुए और हम स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। इस अवसर पर देश स्वाधीनता का अमश्त महोत्सव मना रहा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राजकीय विश्व विद्यालय की आधारशिला रखते हैं। भारत जैसे देश जो वोटबैंक की राजनीति से चलता है वहाँ प्रधानमंत्री के इस कदम को उत्तरप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों से प्रेरित बताया जा रहा है। बहरहाल कारण जो भी हो लेकिन कार्य निर्विवाद रूप से सराहनीय है। क्योंकि हमने यह आजादी बहुत त्याग और अनगिनत बलिदानों से हासिल की है। न जाने कितने वीरों ने अपनी जवानी अपनी मातश्भूमि के नाम कर दी। न जाने कितनी माताओं ने अपने पुत्रों को अपने ऋण से मुक्त कर के मातश्भूमि के ऋण को चुकाने के लिए उनके मस्तक पर तिलक लगाकर फिर कभी न लौटकर आने के लिए भेज दिया। न जाने कितनी सुहागिनों ने क्षत्राणियों का रूप धरकर हंसते हंसते अपने सुहाग को भारत माता को सौंप दिया। स्वाधीनता के उस यज्ञ को न जाने कितने चंद्रशेखर आजाद भगत सिंह सुखदेव लाला लाजपत राय ने अपने प्राणों की आहुति से प्रज्वलित किया। लेकिन जब 15 अगस्त 1947 में वो ऐतिहासिक क्षण आया तो ऐसे अनेकों नाम मात्र कुछ एक नामों के आभामंडल में कहीं पीछे छुप गए या छुपा दिए गए। इतिहास रचने वाले ऐसे कितने नाम खुद इतिहास बनने के बजाए मात्र किस्से बनकर रह गए। राजा महेंद्र प्रताप सिंह ऐसा ही एक नाम है। लेकिन अब राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर एक विश्वविद्यालय बनाने की पहल ने सिर्फ आजादी के इन मतवालों के परिवार वालों के दिल में ही नहीं बल्कि देश भर में एक उम्मीद जगाई है कि उन सभी नामों को भारत के इतिहास में वो सम्मानित स्थान दिया जाएगा जिसके वो हकदार हैं। कहते हैं कि किसी भी देश का इतिहास उसका गौरव होता है। हमारा इतिहास ऐसे अनगिनत लोगों के उल्लेख के बिना अधूरा है जिन्होंने आजादी के समर में अपना योगदान दिया। राजा महेंद्र प्रताप सिंह ऐसा ही एक नाम है जिनके मन में बहुत ही कम आयु में देश को आजाद कराने की अलख जल उठी थी। मात्र 27 वर्ष की आयु में वे दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के अभियान में उनके साथ थे।और 29 वर्ष की आयु में अफगानिस्तान में भारत की अंतरिम सरकार बनाकर स्वयं को उसका राष्ट्रपति घोषित कर चुके थे। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उन्हें बड़ा खतरा मानते हुए तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने उन्हें देश से निर्वासित कर दिया था और वे 31 साल 8 महीनों तक दुनिया के विभिन्न देशों में भटकते रहे। इस दौरान वे विभिन्न देशों की सरकारों से भारत की आजादी के लिए समर्थन जुटाने के कूटनीतिक प्रयास करते रहे। राजा महेंद्र प्रताप उन सौभाग्यशालियों में से एक थे जो स्वतंत्र भारत की संसद तक भी पहुंचे थे। 1957 में वे मथुरा से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अटलबिहारी वाजपेयी के खिलाफ चुनाव में खड़े भी हुए थे और जीते भी थे। दरअसल राजा महेंद्र प्रताप सिंह के व्यक्तित्व के कई आयाम थे। वे स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, लेखक, शिक्षाविद, क्रांतिकारी, समाज सुधारक और दानवीर भी थे। जब भारत आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था तो ये केवल भारत की आजादी के बारे में ही नहीं सोच रहे थे बल्कि वे विश्व शांति के लिए प्रयासरत थे। उन्होंने 'संसार संघ' की परिकल्पना करके भारत की संस्कृति का मूल वसुधैव कुटुंबकम को साकार करने की पहल की थी। इनकी शख्सियत की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे देश को केवल अंग्रेजों ही नहीं बल्कि समाज में मौजूद कुरीतियों से भी आजाद कराने की इच्छा रखते थे। इसके लिए उन्होंने छुआछूत के खिलाफ भी अभियान चलाया था। अनुसूचित जाति के लोगों के साथ भोजन करके उन्होंने स्वयं लोगों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करके उन्हें जातपात से विमुख होने के लिए प्रेरित किया। समाज से इस बुराई को दूर करने के लिए वो कितने संकल्पबद्ध थे इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने सबको एक करने के उद्देश्य से एक नया धर्म ही बना लिया था 'प्रेम धर्म'। वे जानते थे कि समाज में बदलाव तभी आएगा जब लोग शिक्षित होंगे। तो इसके लिए उन्होंने सिर्फ अपनी सम्पति ही दान में नहीं दी बल्कि वश्ंदावन में तकनीक महाविद्यालय की भी स्थापना की। इनके कार्यों से देश की वर्तमान पीढ़ी भले ही अनजान है लेकिन वैश्विक परिदृश्य में उनके कार्यों को सराहा गया यही कारण है कि 1932 में उन्हें नोबल पुरस्कार के लिए भी नामित किया गया था। लेकिन इसे क्या कहा जाए कि देश को पराधीनता की जंजीरों से निकाल कर स्वाधीन बनाने वाले ऐसे मतवालों पर 1971 में देश की एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी पत्रिका 'द टेररिस्ट्स' यानी 'वो आतंकवादी' नाम की एक श्रश्ंखला निकलती है। जाहिर है राजा महेंद्र प्रताप जो कि तब जीवित थे उस पत्रिका के संपादक को पत्र लिखकर आपत्ति जताते हैं। दअरसल हमें यह समझना चाहिए कि भारत को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराने के लिए किसी ने बंदूक उठाई तो किसी ने कलम। किसी ने अहिंसा की बात की तो किसी ने सशस्त्र सेना बनाई। स्वतंत्रता प्राप्ति का यह संघर्ष विभिन्न विचारधाराओं वाले व्यक्तियों का एक सामूहिक प्रयास था। उनके विचार अलग थे जिसके कारण उनके मार्ग भिन्न थे लेकिन मंजिल तो सभी की एक ही थी 'देश की आजादी'। अलग अलग रास्तों पर चलकर भारत को आजादी दिलाने में अपना योगदान देने वाले ऐसे कितने ही वीरों के बलिदानों की दास्तान से देश अनजान है। राजा महेंद्र प्रताप के नाम पर विश्विद्यालय बनाने के कदम से ऐसे ही एक गुमनाम नाम को पहचान दी है। उम्मीद है कि इस दिशा में यह सरकार का पहला कदम होगा आखरी नहीं क्योंकि अभी ऐसे कई नाम हैं जिनके त्याग और बलिदान की कहानी जब गुमनामी के अंधकार से बाहर निकल कर आएगी तो इस देश की भावी पीढ़ी को देश हित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करेगी।

कर्मचारियों में तनाव एवं कार्य प्रबंधन -प्रो. सुरेश शर्मा

वर्तमान समय में कार्यस्थलों पर कर्मचारियों में तनाव एक बहुत ही आम समस्या हो चुकी है। इस भौतिकवादी जीवन में व्यक्ति की आशाएं, अपेक्षाएं, महत्वाकांक्षाएं, भागदौड़, पारिवारिक समस्याएं, निराशाएं, असंतोष, असंतुलन, मानसिक एवं शारीरिक बोझ, आर्थिक संसाधनों की कमी, अनहोनी का भय, कार्यस्थल की घटनाएं, अधिकारियों का दबाव, ऑफिस में कार्य की अधिकता, घर तथा संस्थान में सामंजस्य न बना पाना, निजी जीवन की घटनाएं, मानहानि का डर इत्यादि अनेकों कारण व्यक्ति में तनाव को पैदा करते हैं। यह तनाव बिना किसी कारण से व्यक्ति के मन मस्तिष्क में अपना स्थान बना लेता है तथा कई बार मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक अवसाद का रूप लेकर भयंकर रूप ले लेता है। व्यक्ति के शरीर एवं मन को मिलने वाली चुनौतियां, जब वह इनका सामना करने में स्वयं को अक्षम, असहाय, असमर्थ तथा असफल पाता है तब उसमें तनाव पैदा होता है। यह तनाव या दबाव कई बार व्यक्ति को आत्मघाती कदम उठाने के लिए भी विवश कर देता है। कई बार ऐसे व्यक्तियों को अपने कार्यस्थल पर नकारात्मक तथा विपरीत व्यवहार, अधि कारियों के साथ नोंक–झोंक, सहकर्मियों के साथ लड़ाई– झगड़ा करते देखा जाता है। परिस्थिति को नियंत्रण न कर पाना, आत्म संयम न रखना, गुस्सा करना, मारपीट करना, थप्पड़ मार देना, लात–घूंसे मार देना, गोली चला देना आदि अनेकों घटनाएं देश और दुनिया में देखी–सुनी गई हैं। कार्यस्थल पर कर्तव्य निर्वहन में चुनौती, परेशानी, दबाव, दूसरे कर्मचारी को दबाना तथा जवाबदेही भी इसके कारण हैं। कार्य स्थलों पर उन कर्मचारियों द्वारा अनापेक्षित तथा अमर्यादित व्यवहार होना, आत्मसम्मान, स्वाभिमान को बनाए रखने की चिंता, दूसरे को नीचा दिखाने, दबाव बनाने या अनचाहा अनुग्रह करना भी इसका एक कारण है। कार्यस्थल पर महिलाओं का मानसिक या शारीरिक उत्पीड़न या महिलाओं के द्वारा पुरुषों पर दोषारोपण करना भी तनाव का कारण होता है जो कभी–कभी उनको आत्महत्या या फिर दूसरे की हत्या करने तक के लिए भी उकसा देता है। व्यक्ति का घमंड एवं अहंकार भी तनाव को जन्म देता है। देश और दुनिया में कार्य स्थलों, सेना, पुलिस, राजनीतिक क्षेत्र में अनेकों इस प्रकार की घटना देखी और सुनी गई हैं जो दबाव के कारण मानसिक अवसाद तथा मनोविज्ञानिक के दबाव में परिवर्तित हो जाती हैं। कार्य स्थलों पर इस प्रकार की घटनाएं बहुत ही चिंता का विषय हैं। जिस कर्मचारी या अधिकारी से शांतिपूर्वक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए जनसेवा की भावना से कार्यों की आशा की जाती है, यदि वह मानसिक या मनोवैज्ञानिक कारणों से इस तनाव की परिधि में आ जाए तो वह अपने अपेक्षित कार्यों का निर्वहन न कर अपने लिए या फिर समाज के लिए घातक हो सकता है। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला के बैजनाथ के हलेड़ उच्च विद्यालय में मुख्याध्यापक उन्चास वर्षीय राकेश कुमार द्वारा प्रशासनिक कार्यों से परेशान होकर मानसिक दबाव में आत्महत्या का एक मामला सामने आया है जो कि चिंतनीय विषय है। अपने सुसाइड नोट में प्रशासनिक कार्यों का दबाव होना कारण बताया है। निश्चित रूप से इस आत्म हत्या के पीछे किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत, सामाजिक, पारिवारिक, शारीरिक, मनो वैज्ञानिक या अन्य कारण भी हो सकते हैं जो कि गहन जांच का विषय है, लेकिन यदि आत्म हत्या प्रशासनिक कार्यों के बोझ के दबाव में की गई हो तो यह हमारी कार्यप्रणाली तथा कार्य व्यवस्था पर एक प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। अध्यापक या मुख्याध्यापक का मुख्य कार्य अध्यापन तथा पाठशाला प्रशासन का संचालन है। कक्षा– कक्ष में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूरा करवाना, सह–पाठ्य क्रियाएं आयोजित करवाना, विद्यार्थियों की दृष्टि से उनके सर्वांगीण विकास के लिए गतिविधियों का आयोजन करना तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए उनको तैयार करना अध्यापक के मूल कार्य हैं। कोविड–19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में कर्मचारियों तथा कार्यालयों व विभागों की कार्यप्रणाली में परिवर्तन स्वरूप विभिन्न परिस्थितियां पैदा हो गई हैं जो संस्थाओं में प्रत्येक कार्य ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। ईमेल के माध्यम से पत्राचार हो रहा है। अधिकारियों द्वारा कार्यों को सुनिश्चित करना उनका उत्तरदायित्व है। अब सारा कार्य पेपरलेस वर्क की श्रेणी में आता है। सरकार द्वारा अधिकारियों को, अधिकारियों द्वारा निचले स्तर पर कार्यरत लोगों से कार्य करवाना उनकी प्रशासनिक जवाबदेही भी है। कोविड–19 के कारण उपजी परिस्थितियों, प्रशासनिक निर्देशों, प्रक्रियाओं तथा कार्यशैली में परिवर्तनों के कारण प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी प्रभावित हुआ है। इन परिस्थितियों में यह भी सही है कि कंप्यूटर की इस क्रांति में ऑनलाइन पत्राचार ने भी अधिकारियों तथा कर्मचारियों का कार्य बोझ अत्यधिक बढ़ा दिया है। ऐसी परिस्थिति में यह आवश्यक है कि पत्राचार कम हो, लेकिन जमीनी स्तर पर उस पर अमल अवश्य रूप से होना चाहिए। कर्मचारियों तथा अधिकारियों को भी अपने कार्यों में नियमितता लाकर उनको निपटाने में देर भी नहीं करनी चाहिए क्योंकि रुका हुआ कार्य भी कई बार मानसिक तनाव को जन्म देता है। यह व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक दशा पर निर्भर करता है कि वह विभिन्न प्रकार के दबाव को किस तरह से झेल पाता है या उसका प्रबंधन कर पाता है। वर्तमान में सभी को कार्यों का दबाव या तनाव का प्रबंधन करने की अति आवश्यकता है। अपने घर के कार्यों, सामाजिक कार्यों तथा प्रशासनिक कार्यों में सामंजस्य बनाने में कर्मचारी कुशल होना चाहिए। कर्मचारियों को शांत होकर, दबाव रहित अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक करना चाहिए। इसके साथ ही वे पूरी नींद लें, संगीत सुनें, ध्यान लगाएं, व्यायाम करें, परिवार तथा समाज के लोगों से मिलें–जुलें, परिजनों सहित घूमने निकलें तथा सभी से बतियाना भी बहुत आवश्यक है। इससे चिंताएं तथा परेशानियां दूर होती हैं। शांत तथा सेवा भाव से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर अपने निजी जीवन तथा व्यावसायिक कार्यों को समयबद्ध रूप से कार्य करना एक कुशल कर्मचारी एवं अधिकारी की विशेषता है।

आमजन को लगा भरोसे का टीका -रमेश सर्राफ धमोरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें देश–विदेश से छोटे–बड़े सभी राजनेताओं के बधाई संदेश मिल रहे थे। पार्टी कार्यकर्ता देश के विभिन्न भागों में कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे थे। इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर एक ऐसा कार्यक्रम भी संपन्न हो रहा था। जिससे दुनिया भर में भारत का सम्मान तो बढ़ा ही साथ ही देशवासियों की सुरक्षा की दृष्टि से एक मील का पत्थर स्थापित हुआ। भारत के चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर एक दिन में ही दो करोड़ पचास लाख लोगों को कोरोना वैक्सीन की डोज लगाकर एक रिकॉर्ड कायम किया है। इसके लिए देश के सभी चिकित्सकर्मी व टीकाकरण से जुड़े लोग बधाई के पात्र हैं। किसी भी एक देश में दिन में ढाई करोड़ से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। यह हमारे देश के चिकित्साकर्मियों के जोश, मेहनत व जज्बे के कारण ही संभव हो पाया है। दुनिया में बहुत से देशों की तो आबादी ही ढाई करोड़ से कम है। जबकि हमारे देश में एक दिन में ही ढाई करोड़ से अधिक कोरोना टीके की खुराक लगाई जा चुकी है। देश में कोरोना वैक्सीन का टीकाकरण बहुत तेजी से हो रहा है। देश में अब तक 18 वर्ष से अधिक आयु के 80 करोड़ से अधिक लोगों को कोरोना वैक्सीन की एक डोज लगाई जा चुकी है। जबकि करीबन 20 करोड लोगों को दोनों डोज लग चुकी है। देश में प्रतिमाह 20 से 25 करोड़ कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा रही है। जिनका निर्माण हमारे देश में ही हो रहा है। आठ महीने के कम समय में देश में आधी से अधिक आबादी को कोरोना वैक्सीन की एक डोज लगने से देशवासियों का मनोबल बढ़ा है तथा खुद को कोरोना के संक्रमण से सुरक्षित समझने लगे हैं। एक समय था जब देश में कोरोना वैक्सीन को लेकर बहुत मारा–मारी हो रही थी। वैक्सीन आवंटन को लेकर केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाए जा रहे थे। कोरोना वैक्सीन केंद्रों पर उमड़ रही भारी भीड़ की फोटो समाचार पत्रों की सुर्खियां बन रही थी। केंद्र सरकार विरोधी दलों के निशाने पर थी। लोगों में टीकाकरण में होने वाली देरी को लेकर सरकार के प्रति रोष व्याप्त हो रहा था। इसके लिये केंद्र और राज्य सरकारी एक दूसरे को दोषी ठहरा रही थी। मगर आज स्थिति पूरी तरह बदली हुई है। देश में तेजी से टीकाकरण हो रहा है। साथ ही टीकाकरण का पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन कर रही है। पूर्व में कुछ समय तक 18 से 44 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों के टीकाकरण की जिम्मेवारी केंद्र सरकार ने राज्यों पर डाल दी थी। जिसको लेकर केंद्र और राज्यों में टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इससे केंद्र सरकार की छिछलेदारी हो रही थी। हालांकि उस दौरान महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात सहित कई प्रदेश सरकारों ने अपने खर्चे से उक्त आयु वर्ग के लोगों का बड़ी संख्या में टीकाकरण भी करवाया था। फिर केंद्र व राज्य के मध्य इस बात पर सहमति बनी कि सभी को निशुल्क टीकाकरण केंद्र द्वारा करवाया जाएगा। तब से केन्द्र टीका लगवा रहा है। 21 जून विश्व योग दिवस से केंद्र सरकार ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को निशुल्क टीका लगाने का कार्यक्रम शुरू करवाया था जो आज बहुत तेजी से चल रहा है। उसके बाद से टीकाकरण को लेकर केंद्र व राज्य सरकारों के मध्य व्याप्त आपसी खींचातानी व बयान बाजी भी नहीं सुनने को मिल रही है। केंद्र द्वारा चलाए जा रहे टीकाकरण कार्यक्रम में देश की सभी राज्य सरकारें पूरी सक्रियता से जुटी हुई है। उसी का परिणाम है कि भारत में एक दिन में ढाई करोड़ से अधिक टीकाकरण संभव हो पाया है। केंद्र सरकार का मानना है कि दिसम्बर 2021 तक देश के सभी व्यस्क 94 करोड़ आबादी को कोरोना वैक्सीन का टीका लगा दिया जाएगा। ताकि देश के लोग कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सुरक्षित हो सके। हमारे देश में जिस तेजी से टीकाकरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उससे लगता है कि हम तय समय से पहले ही टीकाकरण का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। वैज्ञानिक एंव औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ शेखर पांडे का मानना है कि देश में टीकाकरण अभियान सफल होने का सबसे प्रमुख कारण है कि सरकार ने समय रहते टीकाकरण अभियान की नीति बनाई। देश के वैज्ञानिकों ने टीके की खोज की और उसको बनाया। निजी कंपनियों ने अपने संयंत्रों में उनका बहुत तेजी से उत्पादन किया। सरकार ने व्यवस्थित तरीके से उसे आम व्यक्ति तक पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध कराई। देशवासियों ने देश में निर्मित टीके पर विश्वास कर उसको लगवाया। देशवासियों ने बिना डर के देश में निर्मित कोरोना के टीके को लगवा कर कोरोना की लहर को रोकने की दिशा में बहुत बड़ा काम किया है। उसी का परिणाम है कि आज हम कोरोना महामारी को मात देकर सुरक्षा चक्र की ओर बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं महाराष्ट्र के पुणे में स्थित सिरम इंस्टीट्यूट ने जहां देश में पहला कोविशील्ड टीके का निर्माण किया। वही हैदराबाद की भारत बायोटेक कंपनी ने स्वदेशी टीका कोवैक्सीन को बनाने में सफलता हासिल की। टीकाकरण में भारत देशवासियों की जरूरतों को तो पूरा कर ही रहा है। साथ ही अपने पड़ोसी देशों सहित दुनिया के अन्य कई देशों को भी कोरोना वैक्सीन के टीके उपलब्ध करवा रहा है। यह भारत का मानवीय पहलू है।

जल्द मिल सकते हैं चाचा-भतीजा, प्रसपा का सपा में हो सकता है विलय

लखनऊ(वेब वार्ता)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी का विलय जल्द ही समाजवादी पार्टी में हो सकता है। इसकी तैयारी शुरू हो गयी है। विलय किस समय किया जाय, इस पर मंथन चल रहा है। दोनों के विलय के पूर्व शिवपाल यादव के नजदीकी लोगों को समाजवादी पार्टी में प्रवेश दिलाया जा रहा है। अभी हाल में ही बलिया के अंबिका चौधरी और मुख्तार अंसारी के भाई सिबतुल्लाह अंसारी का समाजवादी पार्टी में प्रवेश भी इसी की झलक है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अखिलेश यादव और शिव पाल सिंह यादव के बीच गोपनीय बैठक हो चुकी है। अब इंतजार किया जा रहा है कि चुनाव और नजदीक आ जाय, तब विलय की घोषणा की जाय। इससे पार्टी के पक्ष में माहौल बनेगा। अभी शिवपाल यादव के नजदीकी लोगों को सपा में प्रवेश दिलाया जा रहा है, जिससे उन्हें टिकट मिल सके। इसी के तहत बलिया के अंबिका चौधरी और सिबतुल्लाह को पार्टी में प्रवेश दिया गया है। ये दोनों नेता शिवपाल यादव के ही नजदीकी माने जाते हैं। अंसारी बंधुओं को समाजवादी पार्टी में प्रवेश दिलाने के कारण ही अखिलेश ने पिछली बार शिवपाल यादव से किनारा कर लिया था। अब अंसारी बंधु प्रिय हो गये हैं। इस तरह कई नेता शिवपाल यादव के नजदीकी हैं और सपा से बाहर निकाले गये थे लेकिन अब धीरे–धीरे उन्हें सपा में प्रवेश दिलाया जा रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि यह भी संभव है कि सपा में विलय न होकर बाद में दोनों का समझौता हो। कुछ सीटें प्रसपा के लिए छोड़ दी जाय। बहुतेरे शिवपाल के नजदीकी नेताओं को सपा से टिकट दे दिया जाय।

फतेहपुर में दलित किशोरी से दुष्कर्म, मामला दर्ज

फतेहपुर (उप्र). (वेब वार्ता)। फतेहपुर जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में 16 साल की दलित किशोरी को अगवा कर उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। जहानाबाद थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) केशवदास वर्मा ने शनिवार को बताया क्षेत्र के एक गांव की 16 साल की दलित किशोरी को अगवा कर उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने की वारदात बृहस्पतिवार रात की है। पीड़िता के परिजनों ने उसे (पीड़िता को) शुक्रवार सुबह आरोपी युवक के घर से बरामद कर मामला दर्ज करवाया है। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर वर्मा ने बताया कि पीड़िता बृहस्पतिवार की रात घर के बाहर छप्पर में सो रही थी, तभी आधी रात को गांव का 22 वर्षीय युवक उसे अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। एसएचओ ने बताया कि शुक्रवार सुबह परिजन और ग्रामीणों ने पीड़िता को आरोपी युवक के घर से बरामद कर पुलिस को इस बारे में सूचित किया। वर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर शुक्रवार की शाम आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देने, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम (एससीएसटी एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया और शनिवार को पीड़िता को चिकित्सीय जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक फरार है, उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

उप्र में कोविड वैक्सीनेशन 9 करोड़ 97 लाख के पार

लखनऊ (वेब वार्ता)। विगत 24 घंटे में हुई 02 लाख 15 हजार 209 सैम्पल की टेस्टिंग में 14 नए मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 26 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। प्रदेश में अब तक 16 लाख 86 हजार 694 प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव 'सूचना' नवनीत सहगल ने शनिवार को दी। बताया कि विगत दिवस हुई कोविड टेस्टिंग में 67 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया केस नहीं मिला। वर्तमान में 177 कोरोना संक्रमितों का उपचार हो रहा है। कोविड टीकाकरण के लिए प्रदेश की 54.12 प्रतिशत आबादी ने टीके की पहली डोज प्राप्त कर ली है। अब तक 8 करोड़ 14 लाख लोगों को टीके की पहली डोज लगाई जा चुकी है। इसी प्रकार, 01 करोड़ 82 लाख लोगों ने टीके की दोनों खुराक ले ली है। प्रदेश में कुल कोविड वैक्सीनेशन 09 करोड़ 97 लाख से अधिक हो चुका है। यह किसी एक राज्य में हुआ सर्वाधिक टीकाकरण है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 30 जिलों में कोविड का एक भी एक्टिव केस नहीं है। अब तक 07 करोड़ 75 लाख 81 हजार 133 सैम्पल की कोविड जांच की जा चुकी है। यह देश के किसी एक राज्य में हुई सर्वाधिक टेस्टिंग है। औसतन हर दिन सवा दो लाख से ढाई लाख तक टेस्ट हो रहें हैं, जबकि पॉजिटिविटी दर 0.01 फीसदी से भी कम हो गई है और रिकवरी दर 98.7 फीसदी है। कोविड की अद्यतन स्थिति के अनुसार प्रदेश के 30 जनपदों (अमेठी, अमरोहा, औरैया, अयोध्या, आजमगढ़, बागपत, बलिया, बांदा, बहराइच, बिजनौर, फर्रुखाबाद, गोंडा, हमीरपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, कानपुर देहात, कासगंज, महोबा, मीरजापुर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, संतकबीरनगर, शाहजहांपुर, शामली, श्रावस्ती, सीतापुर और सोनभद्र) में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। यह जनपद आज कोविड संक्रमण से मुक्त हैं।

प्रदेश के 5 हजार से ज्यादा गांवों में घर-घर पहुंचा नल का पानी

लखनऊ (वेब वार्ता)। प्रदेश के गांवों में घर घर नल का पानी पहुंचाने का काम गांवों में तेजी से चल है। प्रदेश सरकार के दावों की मानें तो करीब 11 लाख से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को अब पीने का पानी दूर से नहीं लाना होगा। पीने का शुद्ध पानी उन्हें उनके घरों में ही मिलना शुरू हो गया है । नमामि गंगे, ग्रामीण पेयजल आपूर्ति विभाग ने राज्य के 5 हजार से ज्यादा गांवों के 1089844 घरों में जलापूर्ति शुरू कर दी है। इन घरों में पानी के कनेक्शन कर दिए गए हैं। फिलहाल प्रदेश के 5 हजार गांवों में नल के जरिये पानी की आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के तहत विभाग दिसंबर से बुंदेलखंड और विंध्य के हजारों गांवों को जलापूर्ति से जोड़ने की योजना को अंतिम रूप देने में जुटा है। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति विभाग प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पाइप के जरिये शुद्ध पेयजल सप्लाई की योजना को अंजाम दिया जा रहा है। पिछली सरकारों में अधूरी छोड़ दी गई योजनाओं को भी फिर से शुरू किया गया है। राज्य सरकार ने 1906 योजनाओं के जरिये 65 जिलों के इन गांवों में जलापूर्ति शुरू की है। 2017 से शुरू हुई इन योजनाओं के जरिये कुल 1089844 घरों तक पानी की सप्लाई की जा रही है। घर घर जलापूर्ति अभियान में उन जिलों पर खास जोर दिया जा रहा है जहां पीने के पानी के लिए ग्रामीणों को बहुत मशक्कत करनी पड़ रही थी। इन गांवों में प्राथमिकता के आधार पर राज्य सरकार ने पानी की सप्लाई शुरू कर दी है। ऐसे इलाके भी सरकार की प्राथमिकता में हैं जहां दूषित पानी पीने के कारण लोग बीमार हो रहे थे। मुजफ्फरनगर में 92358, कुशीनगर में 78657 , कन्नौज में 14553, गोरखपुर में 45363, देवरिया में 32865 और राज्य सरकार ने उन योजनाओं को भी दुरुस्त कर पानी की सप्लाई शुरू की है जो पिछली सरकारों में अधूरी रह गई थी। 2017 के पहले पूरी होने के बावजूद कई योजनाओं से जलापूर्ति शुरू नहीं की जा रही थी। इन योजनाओं को दुरुस्त करने के बाद ग्रामीण पेयजल आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने गांवों में पानी की सप्लाई शुरू कर दी है। पेयजल योजनाओं पर राज्य सरकार ने वर्ष 2017–18 में 1033. 11 करोड़, वर्ष 2018–19 में 1192. 54 करोड और वर्ष 2019–20 में 1058.00 करोड़ रुपये खर्च किए। प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव कहते हैं सरकार का लक्ष्य ग्रामीण इलाकों में घर घर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करना है। हम उस पर तेजी से काम कर रहे हैं। गांवों को जलापूर्ति से जोड़ा जा रहा है। नई योजनाओं के साथ ही पुरानी योजनाओं को भी दुरुस्त कर घर घर पानी सप्लाई की जा रही है। अगले कुछ दिनों में जल जीवन मिशन के तहत हम बुंदेलखंड और विंध्य के गांवों को वाटर सप्लाई से जोड़ने जा रहे हैं। इसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

फिरोजाबाद में डेंगू से अब तक 63 लोगों की मौत, मरीजों के आने का सिलसिला जारी

फिरोजाबाद (उप्र),वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में पिछले 40 दिनों से अधिक समय से महामारी से जूझ रहे फिरोजाबाद में एक और मौत के साथ वायरल बुखार और डेंगू से मरने वालों की संख्या जिले में अब 63 हो गई है जबकि मरीजों का सिल सिलेवार आना जारी है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। बयान में कहा गया है कि मेडिकल कॉलेज की 100 शैय्या के बाल चिकित्सा आइसोलेशन वार्ड में शुक्रवार रात डेंगू के इलाज के दौरान 12 वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई। इसमें कहा गया है कि अब तक वायरल डेंगू के प्रकोप से मरने वालों की संख्या 62 थी और कल रात एक और मौत के साथ यह संख्या अब 63 तक पहुंच गई है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ संगीता अनेजा ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 154 नए मरीज भर्ती हुए जबकि 153 मरीजों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अनेजा ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि शनिवार की सुबह मेडिकल कॉलेज अस्पताल के विभिन्न वार्डों में 255 मरीज भर्ती थे और उनका इलाज चल रहा है। इस बीच रामगढ़ थाना क्षेत्र की 12 वर्षीय किशोरी ने आइसोलेशन वार्ड में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया और उसके भाई दीपक ने मेडिकल कॉलेज के स्टाफ पर इलाज के दौरान लापरवाही का आरोप लगाया है। शुक्रवार की रात पत्रकारों से बात करते हुए दीपक ने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों द्वारा उसकी बहन के उपचार में लापरवाही बरती गई जिस कारण उसकी मौत हुई। लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा किया और विरोध करने पर कर्मचारियों पर पिटाई का आरोप भी लगाया। इस बारे में पूछे जाने पर थाना प्रभारी उत्तर आनंद कुमार ने कहा, ''मौके पर मिली जानकारी के अनुसार आक्रोशित परिजनों ने मेडिकल कॉलेज के स्टाफ पर हाथ उठाया था और इसके बाद स्टाफ द्वारा भी हाथापाई की गई है।'' उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

कानपुर महानगर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया

अवध की आवाज

कानपुर महानगर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर कानपुर महा नगर उत्तर के कार्य कर्ताओं ने पंडित दीन दयाल के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया। बैठक में बताया गया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय से प्रेरणा लेते हुए भाजपा कार्यकर्ता सेवा ही संगठन को सर्वोपरि मानते हुए प्रत्येक आम जनमानस के हित में कार्य करने के उद्देश्य को लेकर इन पत्रकों के माध्यम से लोगों को भाजपा सरकार द्वारा जनहित में किए गए कार्यों के बारे में अवगत कराएंगे और उन्हें लाभान्वित कराने में भी उनका सहयोग करेंगे। बैठक से पूर्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात यह बताया गया कि पंडित अटल बिहारी बाजपेई भारतीय जनता पार्टी से प्रथम प्रधानमंत्री के रूप देश की बागडोर संभाली थी उनका कानपुर से भी गहरा नाता रहा है जनसंघ में भी उनकी भूमिका अहम रही है ऐसे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अटल

बिहारी बाजपेई की याद में भाजपा जिला कार्यालय नवीन मार्केट में उनकी एक प्रतिमा का अनावरण करने का प्रस्ताव भी पास किया गया। जल्द ही उनकी प्रतिमा का अनावरण भाजपा जिला कार्यालय कानपुर महानगर उत्तर में किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील बजाज ने कहा कि पंडित दीनदयाल एकात्म मानववाद के सूत्रधार थे भारतीय जनता पार्टी की सरकार व संगठन उनके विचारों और उद्देश्यों का पालन करते हुए निरंतर जनहित में कार्य कर रहे है उन्होंने कहा कि साथ ही हमें अपने बूथ को सबसे मजबूत बनाना है इसलिए हमें पन्ना प्रमुख पर मजबूती से कार्य करते हुए निश्चित समय पर इसे पूर्ण कर लेना है। इस दौरान जिला महामंत्री वीरेश त्रिपाठी संतोष शुक्ला अवधेश सोनकर जितेंद्र शर्मा जन्मेजय सिंह रणजीत भदौरिया रिचा सक्सेना पारस मदान रोहित साहू उपेंद्र शुक्ला मनुज गोयल रवि पांडे आदि उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी मोतीगंज तथा चौकी प्रभारी कहोबा ने लोगों को यातायात सप्ताह के नियमों का बताया टिप्स

अवध की आवाज

गोण्डा। यातायात सप्ताह के मद्देनजर मोतीगंज पुलिस द्वारा जनजागरूकता अभियान की शुरूआत की गयी। कहोबा चौराहे पर वाहन चालकों एवं स्थानीय लोगों को थानाध्यक्ष ब्रह्मा नंद सिंह व चौकी प्रभारी मदन लाल गौतम द्वारा शपथ दिलाई गई तथा यातायात नियमों का पालन करने की बताएं नियम। कहोबा तिराहे पर लोगों को शपथ दिलाने के बाद थानाध्यक्ष ब्रह्मा नंद सिंह ने कहा कि हर वर्ष सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य है कि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाया जा सकें। लोगों को यातायात के प्रति जागरूक किया लगाई जा सके, लेकिन बहुत दुख की बात है कि सड़क दुर्घटनाएं हर वर्ष बढ़ती ही

जा रही हैं। लोगों के द्वारा यातायात नियमों का पालन नहीं किया जाता है। सड़क दुर्घटना व यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए पुलिस को ही नहीं, बल्कि सभी आम जनता को जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अनमोल है। इसकी रक्षा करना आवश्यक है। आगे थाना प्रभारी मोतीगंज ने यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश किया। उन्होंने कहा कि शराब पीकर वाहन कतई न चलाएं। बगैर हेलमेट पहने वाहन चलाना स्वयं को मौत को दावत देना है। इसलिए सावधानी बरतें। आगे उन्होंने आम आदमी लोगों को समझाते हुए कहा कि वाहन चलाते समय दो पहिया वाहन पर तीन लोग सवारी कतई न करें दुर्घटना कर सकती है। कहोबा चौकी प्रभारी मदनलाल गौतम ने कहा कि जिले सहित प्रदेश व देश में आए दिन सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौतें हो रही हैं, जिसका कारण यह है कि लोग सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन नहीं करते। अधिकांश नवयुवक लोग बाइक चलाते समय मोबाइल से बात करते हुए गाड़ी चलाते इसके दौरान दुर्घटना हो सकती है। इस अवसर पर कहोबा के प्रधान शीतला बख्श सिंह उर्फ कोदई सिंह, ननकुन्ने सिंह, पिंकू सिंह, गोपाल सिंह काका, नाथूराम चौधरी, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, प्रदीप कुमार चौधरी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

'मौसम ठीक ना होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री जी का करनैलगंज कटरा आने का प्रोग्राम निरस्त ,

अवध की आवाज

गोंडा। मौसम ठीक ना होने के बाद मुख्यमंत्री के दौरे को किया गया निरस्त फिर भी संचालन माननीय सांसद बृजभूषण शरण सिंह के द्वारा हुआ। बारिश व खराब मौसम के चलते मुख्यमंत्री का गोंडा दौरा आज

रद्द हो गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनपद के कटरा बाजार में आयोजित गरीब कल्याण मेले में शामिल होना प्रस्तावित था,जिसे लेकर प्रशासन द्वारा सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गयी थी। लेकिन अचानक बदले मौसम के मिजाज को देखते हुए उनका गोण्डा आने का कार्यक्रम निरस्त हो गया , विनोद कुमार शुक्ला जी ने बताया मौसम खराब होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री जी केआने का कार्यक्रम निरस्त किया गया क्योंकि मौसम बहुत ही खराब था सुबह 5रू00 बजे से ही बारिश हो रही थी इस माहौल को देखते हुए कार्यक्रम को निरस्त करना पड़ा लेकिन फिर भी इसकी अगुवाई माननीय सांसद जी ने रह करके कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन किया। मौसम ठीक न होने के कारण मुख्यमंत्री के दौरे निरस्त किया गया प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनपद कटरा बाजार में आयोजित गरीब कल्याण मेला में शामिल होना था लेकिन फिर भी मौसम की भारी बरसात होने से यह कार्यक्रम निरस्त करना पड़ा। आगे बताते चलें कि विनोद कुमार शुक्ला ने बताया ठीक मौसम खराब होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री के आने का कार्यक्रम निरस्त करना पड़ा क्योंकि सुबह लगभग 5रू00 से ही बारिश होने लगी थी इस माहौल को देखते हुए कार्यक्रम को निरस्त करना पड़ा लेकिन फिर भी इसकी बुवाई माननीय सांसद बृजभूषण शरण सिंह के द्वारा जारी रखा गया और उन्होंने भाजपा सरकार की कई उपलब्धियों का जनता के सामने रखा है और उससे अवगत कराया।

विकास खण्ड निघासन में गरीब कल्याण दिवस में मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव

अवध की आवाज

निघासन खीरी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

के अवसर पर आज निघासन विकासखंड मैं गरीब कल्याण मिशन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रहे निघासन विधानसभा 138 विधायक शशांक वर्मा जिन्होंने कृषि विभाग के कैंप का फीता काटकर उसका उद्घाटन किया। विकास खण्ड निघासन में राज्य सरकार द्वारा आयोजित आजादी अमृत महोत्सव का कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा गरीब जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ,आवास योजनाएं , स्वास्थ्य सम्बन्धित सेवाओं का लाभ , बच्चों को पौष्टिक आहार व अन्य समुचित योजनाओं का लाभ स्टाल शिविर लगाकर व लोगों को उदभोदित किया गया तो वहीं विधायक शशांक वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी गरीब व सभी वर्गों को मिलना चाहिए। वही बीडीओ राकेश कुमार सिंह ने कहॉ कि जितनी योजना चल रही है। उसका लाभ मिलेगा यही हमारी हमारी पहली प्राथमिकता है प्रयास रहेगा आजादी महोत्सव सरकार द्वारा लागू की दृष्टि का हिस्सा है जिसमें निम्न योजनाओं की भली भांति पुख्ता जानकारी दी जाती है। इस कार्यक्रम के आयोजन में विभिन्च्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर लोगों को लाभ दिया गया व लोगों ने जानकारी हासिल की इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र की ओर से वैक्सीनेशन का काम भी कराया गया। जिसमें लगभत सत प्रतिशत लोगों ने वैक्सीन भी लगवायी इस अवसर पर विकास खण्ड के आलाधिकारियों के साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा जूते चप्पल ,तकिया आदि उपकरण बना कर दिखाये गये। व अंगबाड़ी कार्यक्रतियो को मोबाइल वितरण किया गया, किसानों को लाही मिनी किट वितरण किया गया, जानवरों के डॉ द्वारा मुर्गा पालन बकरी पालन ,आदि जानकारी दी गयी इस कार्यक्रम को आयोजित करने वाले विकास खण्ड अधिकारी राकेश कुमार सिंह की विधायक जी द्वारा जम कर सराहना की गई। इस अवसर मौजूद रहे। ग्राम रोजगार सेवक अमर प्रकाश शुक्ला आशीष कनौजिया संजय गुप्ता अनिल राज डॉक्टर लालजी पासी एडीओ पंचायत आवास लाभार्थी आंगनबाड़ी कार्यकत्री शिक्षक गण आदि समस्त अधिकारीगण ब्लॉक स्टॉप नरेला में स्टाफ मौजूद रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर समस्त विकास खंडों में लगाया गया गरीब कल्याण मेला

उन्नाव(सू0वि0)। एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रेरणा स्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 104 वे जन्मदिवस के अवसर पर आज जनपद के समस्त विकास खण्डों में गरीब कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें सरकार द्वारा संचालित समस्त आवास योजनाध्मुख्यमंत्री आवास योजना, शौचालय, स्वच्छ पेयजल तथा उज्जवला –2 योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन दिये जाने की व्यवस्था तथा जनसामान्य को उपलब्ध कराये जाने वाले समस्त कल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन, प्रधानमंत्री जनपद में संचालित आदि विभागों द्वारा प्रत्येक विकासखंड में स्टाल के माध्यम से आम जनमानस को जानकारी दी गई और गरीब कल्याण मेला बहुत ही भव्यता के साथ जनपद में आयोजित किया गया जिसकी मा0 जनप्रतिनिधि गणों द्वारा सराहना

जन कल्याणकारी योजनाओं नीतियों के संबंध में एक स्थान से आम आदमी तक सरल सुलभ सुविधाजनक आसानी से लाभार्थी को लाभकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए जनपद के समस्त विकासखंडों में गरीब कल्याण मेले का आयोजन किया गया। विकास खण्ड सिकन्दरपुर कर्ण में मा0 प्रमुख व सिकन्दपुर सिरोसी में मा0 विधायक सदर श्री पंकज गुप्ता, विकास खण्ड नवाबगंज, औरास, हसनगंज में मा0 विधायक मोहान श्री बृजेश रावत, सफीपुर में मा0 विधायक सफीपुर, मियागंज, श्री बम्बालाल दिवाकर, बीघापुर में मा0 प्रमुख, असोहा, बिछिया, हिलौली व पुरवा में मा0 विधायक श्री अनिल सिंह, बांगरमऊ, फतेहपुर–84, गंजमुरादा बाद में मा0 विधायक श्री श्रीकान्त कटियार व मा0 प्रमुख, विकास खण्ड सुमेरपुर में मा0 प्रमुख जी की अध्यक्षता में गरीब कल्याण दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी के निर्देशन में समस्त विभागों द्वारा बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया गया तथा अपने विभागों से संबंधित योजनाओं के बारे में आम जनमानस को स्टॉलों के माध्यम से जानकारी दी गयी। जिसमें प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत पात्र परिवारों को राशन कार्ड तथा खाद्य सामग्री का वितरण, गरीब बालिकाओं के विवाह हेतु संचालित योजना का लाभ, धात्री महिलाओं व कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण एवं पोषाहार वितरण, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, किसान सम्मान निधि योजना, समस्त प्रकार के ऋण वितरण की व्यवस्था, कृषि संयन्त्रों के वितरण की व्यवस्था आदि योजनाओं से समस्त पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। जिलाधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश पाण्डेय व मुख्य विकास अधिकारी श्री दिव्यांशु पटेल द्वारा विकास खण्ड औरास में गरीब कल्याण मेले में समस्त प्रकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि कृषि विभाग द्वारा कृषि उपकरणों को टोकन के माध्यम से सब्सिडी के आधार पर लिया जा सकता है यह योजना पहले आओ पहले पाओ पर आधारित है। बाल विकास पुष्टाहार ,स्वास्थ्य विभाग ,पूर्ति विभाग ,समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, दिव्यांग विभाग, गन्ना विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, भी की गयी। जिलाधिकारी ने कहा यह मेला जनपद के प्रत्येक नागरिक के उत्थान में विकास के लिए लगाया गया है जिस किसी भी नागरिक को किसी तरह की कोई समस्या है वह इस मेले में आकर लाभ ले सकते हैं यह मेला पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के उपलक्ष्य में सरकार के निर्देशानुसार लगाया गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो सपना देखा था कि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजना का लाभ मिलना चाहिए जो आज के समय में साकार हो रहा है। आज गरीब कल्याण मेले में समस्त विकासखंडों में पहुंचकर लोगों को अंत्योदय कार्ड, पात्र गृहस्थी कार्ड, उज्जवला गैस कनेक्शन सौभाग्य योजना के अंतर्गत विद्युत कनेक्शन के बारे में भी बताया गया। जनपद में लक्ष्य अंत्योदय–प्रण अंत्योदय– पथ अंत्योदय राष्ट्र सेवा को विकास उत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जा रहा है तथा इस मेले का आयोजन सरकार के गरीब कल्याण, गरीब सम्मान अभियान के रूप में चलाया गया। इस अवसर पर समस्त विकास खंडों में समस्त नोडल अधिकारी, समस्त विकासखंड अधिकारी तथा समस्त समबन्धित उपस्थित रहे।

निघासन खीरी।आपको बताते चलें निघासन कोतवाली अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मुर्गहा विकास क्षेत्र निघासन के पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुर्गहा विकास निघासन के शिक्षक नहीं रख पा रहे विद्यालय को स्वच्छ जहां सरकार देश को स्वच्छ भारत मिशन का नारा देकर भारत को स्वच्छ बनाने के लिए सदैव तत्पर रहती है वहीं दूसरी ओर पूर्व माध्यमिक शिक्षक बच्चों को दुर्गंध की जगह के सामने बैठाकर करा रहे हैं शिक्षण शिक्षा छात्रों से मिली जानकारी के अनुसार किसी दिन अध्यापक आते हैं तो किसी दिन नहीं आते।

उप्र के व्यापारियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी राहत

जीएसटी ट्रैन जमा करने व टैक्स क्रेडिट लेने का मिला मौका

प्रयागराज, (वेब वार्ता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के व्यापारियों को बड़ी राहत दी है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जीएसटी ट्रैन 1 व 2 जमा करने में नाकाम रहे सभी जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों को 8 सप्ताह के भीतर अपने क्षेत्रीय टैक्स विभाग से सम्पर्क करने की छूट दी है। कोर्ट ने हाईकोर्ट की शरण में आये सभी याचियों को जीएसटी ट्रैन 1 व 2 इलेक्ट्रॉनिकली जमा करने का उचित अवसर देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति नाहिद आरा मुनीस तथा न्यायमूर्ति एस.डी सिंह की खंडपीठ ने मेसर्स रेटेक फियोन फ्रिक्शन टेक्नोलॉजी सहित सैकड़ों याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा है कि सभी याचियों को चार हफ्ते में अपने क्षेत्रीय प्राधिकारियों के समक्ष ट्रैन 1 व 2 व्यक्तिगत रूप से जमा करने की अनुमति दी जाय। और कोर्ट ने टैक्स विभाग को जीएसटी कानून की धारा 140 व नियम 117 का अनुपालन कर दो हफ्ते में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है तथा कहा है कि इस रिपोर्ट पर दो हफ्ते में अनापत्ति ली जाय। आपत्ति दाखिल करने का भी सीमित अवसर दिया जाय। हाईकोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया तीन हफ्ते में पूरी कर ली जाय और सभी प्राधिकारी एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट जीएसटी नेटवर्क को प्रेषित करें। कोर्ट ने कहा है कि कोई भी फार्म समय सीमा बीतने के आधार पर अस्वीकार न किया जाय। यह भी कहा कि यह कार्यवाही पूरी होने के बाद जीएसटी नेटवर्क अपलोड करें या सभी याचियों को दो हफ्ते में ट्रैन 1 व 2 अपलोड करने का अवसर प्रदान करें। यह कार्यवाही केवल एक बार के लिए ही की जायेगी। यह विवाद को खत्म करने का समय दिया गया है। ताकि मुकद्दमेबाजी से निजात मिल सके। याचिका में उठाए गये अन्य बिंदुओं पर विचार न करते हुए कोर्ट ने तकनीकी खामियों के चलते टैक्स इनपुट जमा न कर पाने वाले कर दाता पंजीकृत व्यापारियों को विवादों के खात्मे का अवसर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जीएसटी कानून की शर्तों के अधीन व्यापारियों को टैक्स क्रेडिट लेने का अधिकार है। टैक्स प्राधिकारियों को पंजीकृत कर दाताओं को अपने इस अधिकार का इस्तेमाल करने की अनुमति देनी चाहिए। इन्हें अपना दावा करने का उचित अवसर दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जीएसटी पोर्टल राज्य प्राधिकारियों की देन है। उनकी वैधानिक जिम्मेदारी है कि पोर्टल ठीक से काम करें।बाधित, अनियमित पोर्टल के संचालन का खामियाजा टैक्स पेयर को भुगतने के लिए विवश नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि सीबीआईसी ने पोर्टल पर टेक्निकल ग्लिचेज को स्वीकार किया है। टाइमलाइन तय किया और टाइमलाइन की छूट भी दी। जिससे टैक्स पेयर को परेशानी उठानी पड़ी। यह समझ से परे है और अब कर दाताओं से अपनी विफलताओं के बावजूद अपलोड करने के प्रयास के साक्ष्य मांगे जा रहे हैं। इसे उचित नहीं माना जा सकता। यह मनमाना व अतार्किक है। कोर्ट ने कहा कि कानून में साक्ष्य देने का उपबंध भी नहीं है। 3 अप्रैल 18 को सर्कुलर जारी कर टैक्स इनपुट जमा करने के प्रयास के सबूत मांगना मनमानापन है व लागू होने योग्य नहीं है। टैक्स क्रेडिट की बाधाएं दूर करने की जिम्मेदारी सी बी आई सी की है। व्यापारियों को इलेक्ट्रॉनिकली जीएसटी ट्रैन जमाकर आईटीसी पाने का अधिकार है। इस अधिकार से उन्हें वंचित नहीं किया जा सकता।

रेप किलिंग के आरोपित ईसजादे प्रतीक को दिलाऊंगी फांसी : सीमा कुशवाहा

कानपुर(वेब वार्ता)। देश के चर्चित निर्भया कांड के आरोपितों को फांसी की सजा दिलाने वाली अधिवक्ता सीमा कुशवाहा शुक्रवार की रात कानपुर पहुंची। यहां पर वह गुलमोहर अपार्टमेंट के उस कमरे का और जिस जगह मृतका का शव पड़ा था मौका मुआवना किया। उन्होंने कहा कि रेप किलिंग के आरोपित ईसजादे प्रतीक वैश्य को फांसी दिलाने का प्रण लेती हूं। ऐसे हैवानों को फांसी से कम सजा नहीं होना चाहिये, ताकि देशवासियों का कानून पर विश्वास बना रहे। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गुलमोहर अपार्टमेंट में रहने वाले माडन डेयरी का मालिक ईसजादा प्रतीक वैश्य 21 सितंबर को 19 वर्षीय पर्सनल सेक्रेटरी (पीए) को काम का झांसा देकर फ्लैट पर लाया था। इसके बाद उसने फ्लैट का दरवाजा बंद करके उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने और पुलिस की शिकायत की बात कहने पर उसने अपनी पीए की दसवीं मंजिल से फेंक कर हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी प्रतीक के खिलाफ रेप, हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने के बाद गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। मामले की जानकारी पर शुक्रवार की रात सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता सीमा कुशवाहा सहयोगियों के साथ कानपुर पहुंची। कल्याणपुर थाने में इंस्पेक्टर वीर सिंह से कई बिंदुओं पर बात की। उन्होंने कहा कि आरोपित के माता–पिता ने पुलिस को गुमराह किया, फिर भी पुलिस ने उन्हें मुल्जिम क्यों नहीं बनाया। जब पुलिस से न्याय नहीं मिला, तभी पीड़ित परिवार को सड़क पर उतरकर आंदोलन करना पड़ा। अपनी आवाज उठाना उनका संवैधानिक अधिकार है। फिर भी प्रशासन ने उनके खिलाफ ही मुकदमा लिख दिया, लिहाजा उस मुकदमे को वापस लिया जाना चाहिए। थाना में इंस्पेक्टर से बातचीत के बाद अधिवक्ता सीमा कुशवाहा गुलमोहर अपार्टमेंट पहुंची। यहां पर उस जगह को नमन किया जहां पर दुष्कर्म पीड़िता का शव पड़ा था। खून के धब्बे को नमन कर सीमा ने प्रण लिया कि आरोपित ईसजादे प्रतीक वैश्य को कोर्ट के जरिये फांसी की सजा दिलाऊंगी। इस दौरान वह फफक कर रो पड़ी और कहा कि ऐसे हैवान को समाज में रहने की जगह नहीं है। सीमा 10वीं मंजिल के उस फ्लैट पर पहुंची जहां पर आरोपित ने युवती के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया था और फ्लैट की बालकनी से नीचे फेंक दिया था। सीमा कुशवाहा ने कहा कि पुलिस ने परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है, जबकि परिजनों का लोकतांत्रिक अधिकार है न्याय न मिलने की उम्मीद पर विरोध करना। परिजनों समेत उन सभी लोगों के मुकदमें वापस होना चाहिये जो न्याय के लिए विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरोपित प्रतीक वैश्य ने वारदात के बाद अपने माता–पिता के फ्लैट में शरण ली थी। लिहाजा उन्हें भी साजिश रचने की धारा का मुल्जिम बनाया जाना चाहिए।

मिशन शक्ति के अन्तर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई

अवध की आवाज

लखीमपुर खीरी। अब तक "मिशन शक्ति" तृतीय फेज के क्रम में पुलिस अधीक्षक खीरी विजय ढुल के निर्देशन मे जनपद के समस्त थानों की महिला बीट आरक्षियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत अपने–अपने बीट/गांवों में जाकर मिशन शक्ति के अन्तर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई की गई। मिशन शक्ति के अन्तर्गत कुल 361 प्रार्थना पत्र मिले जिसमें सभी का सकुशल निस्तारण किया गया। गांव–गांव जाकर महिला बीट आरक्षीयों द्वारा प्रार्थना पत्र की भलीभाँति जांच कर उनका निस्तारण कराया गया, जिसमें सभी कार्यो को गांव के व्यक्तियों द्वारा सराहा गया। मिशन शक्ति के दौरान महिला बीट आरक्षियों द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है। बताते चलें कि ग्राम काजीपुर में म0का0 शैलेष सिंह व म0का0 पूजा को आवेदिका कुरेशा पत्नी आजाद खाँ निवासी काजीपुर थाना ईसानगर जनपद खीरी ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी शादी एक वर्ष पूर्व आजाद पुत्र जहाँगीर खां निवासी अदलीशपुर थाना ईसानगर जनपद खीरी के साथ हुयी थी। उसके पति आजाद खाँ द्वारा उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया गया, जिस पर महिला आरक्षी शैलेष सिंह, महिला

आरक्षी पूजा व हे0का0 राजेन्द्र पटेल द्वारा आवेदिका कुरेशा व उसके परिजनों को साथ लेकर तत्काल ग्राम अदलीशपुर पहुँच कर आवेदिका कुरेशा के पति आजाद खाँ को बुलाकर गाव वालो के समक्ष काफी समझा–बुझाकर आपसी मनमुटाव को दूर कराया गया, जिसके पश्चात दोनों पति– पत्नी खुशी पूर्वक एक साथ रहने को तैयार हो गए, जिस पर आवेदिका को उसके पति के साथ भेजा गया।

29.09.2021 को प्रातः 10.00 बजे एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया

सीतापुर । (सू0वि0) जिला रोजगार सहायता अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय सीतापुर के प्रांगण में दिनांक 29.09.2021 को प्रातः 10.00 बजे एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। उक्त मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा हाईस्कूल इण्टर स्नातक एवं आई0टी0आई0 उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य हो, का चयन वेतनमान 8500 से 11000 तक के पदो पर किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त मूल शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं एक फोटो सहित उक्त तिथि को रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय सीतापुर से सम्पर्क कर सकते है। सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत अभ्यर्थी अपने लागिन आई–डी से सेवायोजन पोर्टल पर प्रदर्शित कम्पनी में आवेदन कर रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। इसके लिए आने जाने हेतु कोई मार्गव्यय देय नहीं होगा।

समस्त विकासखण्डों में एक दिवसीय किसान कल्याण मेला का आयोजन

अवध की आवाज

सीतापुर। उ. प्र. सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में दिनांक 25–09–2021 को पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के जन्म जयन्ती के अवसर पर जनपद के समस्त विकास खण्डों में एक दिवसीय किसान कल्याण मेला का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत कृषि एवं कृषि के अनुषांगिक विभागों के साथ ही अन्य विभागों द्वारा कृषि सम्बन्धी नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन स्टाल लगाकर किया गया। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर गठित स्वयं सहायता समूह जैविक खेती एवं कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा स्टाल लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में गोष्ठी के माध्यम से प्रगतिशील किसान, कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सरकार द्वारा चलायी जा रही किसानोन्मुखी योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अन्तर्गत विकास खण्ड बेहटा

में माननीय श्री राजेश वर्मा, सांसद सीतापुर, विकास खण्ड महोली व पिसावां में श्री शशांक त्रिवेदी , माननीय विधायक महोली , विकास खण्ड मिश्रिख , मछरेहटा व गोंदलामऊ में श्री रामकृष्ण भार्गव , माननीय विधायक मिश्रिख , विकास खण्ड कसमण्डा में श्री महेन्द्र सिंह यादव , माननीय विधायक बिसवाँ , विकास खण्ड खैराबाद में श्री अचिन मेहरोत्रा , जिलाध्यक्ष भाजपा, उप कृषि निदेशक, सीतापुर एवं विकासखण्ड सिधौली में श्री राकेश कुमार पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष भाजपा सिधौली उपस्थित रहे। माननीय जन प्रतिनिधियों के माध्यम से कृषकों को कृषि यन्त्र वितरित किये गये एवं विभिन्न योजनान्तर्गत जैसे– पी. एम. किसान, प्रधानमन्त्री फसल बीमा योजना एवं जैविक खेती के लाभार्थी एवं प्रगति शील कृषकों को प्रमाण – पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ रबी में तिलहनी एवं दलहनी (मसूर व राई ध सरसों) फसलों की बीज मिनीकिट्स का निःशुल्क वितरण किया गया । भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी कृषकों की समस्याओं का स्टाल लगाकर मौके पर ही समाधान कराया गया। इस प्रकार के आयोजनों से जन – समुदाय को सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ध उसका लाभ उठाने का अवसर प्राप्त होता है। समस्त विकासखण्डों में कृषि तथा अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा अपनी – अपनी योजनाओं की जानकारी भी दी गयी ।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।